

(क) संस्कृत के उपसर्ग

| उपसर्ग | अर्थ | उदाहरण |
|--|---|--|
| (अ अन् अति अधि अभि अनु अप अव आ उत् उप तत् (दुर (नि निर् परा परि प्र प्रति वि सम् स सु स्व दुस् (निस | <p>नहीं, अभाव नहीं, अभाव अधिक ऊपर, समीप, बड़ा सामने समान, पीछे बुरा, नीचे बुरा, नीचे तक, पूर्ण, उल्टा, से लेकर ऊँचा, श्रेष्ठ गौण, छोटा, समीप उसके जैसा बुरा, कठिन अच्छी तरह निषेध, रहित उल्टा, पीछे सब ओर आगे, अधिक, ऊपर, ओर, विरोध, हर एक अलग, उल्टा, विशेषता पूर्णता, अधिकता, समीपता साथ अच्छा, अधिक, आसान अपना, निजी बुरा बिना</p> | <p>अखंड, <u>अनाथ</u>, अज्ञान, अधर्म, अनीति, अबोध, <u>अचल</u>) अनाचार, अनेक, अनादि, अनादर, अनावश्यक, <u>अनुपस्थित</u> अत्यंत, अत्युत्तम, अत्यधिक, अत्याचार अधिकार, अध्यक्ष, अधिनायक, अधिकारी अभिलाषा, <u>अभिमान</u>, अभियोग अनुज, अनुकरण, अनुकंपा <u>अपमान</u>, <u>अपकार</u>, अपयश <u>अवगुण</u>, <u>अवनति</u>, अवतरण आगमन, <u>आजन्म</u>, आजीवन, आमरण, आदान, आग्रह उत्साह, उद्धार, उत्पत्ति, उत्कर्ष, उत्तम, उत्थान उपदेश, <u>उपकार</u>, उपवास, उपवाक्य, <u>उपमंत्री</u>, उपनाम <u>तत्काल</u>, तत्पश्चात्, तत्पर, तदनुसार दुर्बल, दुर्जन, दुर्दशा, दुर्गम, दुराचार, <u>दुर्गुण</u>) निबंध, निवेदन, निवास, निरोध, निवारण) निर्मल, निर्मम, निर्दोष, निरपराध <u>पराजय</u>, <u>पराक्रम</u>, <u>पराभव</u>, पराकाष्ठा परिक्रमा, परिचर्या, परिणाम, परिवर्तन, परिपूर्ण <u>प्रबल</u>, <u>प्रगति</u>, प्रख्यात, प्रचार, <u>प्रसार</u> प्रतिकूल, <u>प्रतिध्वनि</u>, प्रतिभागी, <u>प्रत्येक</u> वियोग, विभाग, <u>विदेश</u>, <u>विज्ञान</u> संपूर्ण, संगम, सम्मान, संचय, संगति, संतोष सफल, सक्रिय, सपरिवार, सपत्नीक सुकर्म, सुलभ, सुकुमार, <u>सुपात्र</u>, सुगम स्वराज, <u>स्वदेश</u>, स्वतंत्र, स्वनाम, स्वार्थ <u>दुष्कर्म</u>, दुस्साहस, दुष्चरित्र, दुष्कर <u>निश्छल</u>, निश्चय, <u>निस्संदेह</u>)</p> |

(ख) हिंदी के उपसर्ग

| उपसर्ग | अर्थ | उदाहरण |
|---|--|--|
| अध अन नि भर अ उन कु दु | आधा अभाव, निषेध निषेध, रहित पूरा अभाव, निषेध एक कम बुरा बुरा, हीन | <u>अधपका</u> , अधखिला, अधकचरा, अधमरा अनपढ़, <u>अनजान</u> , अनहोनी, अनबन, <u>अनमोल</u> निपूता, निडर, निकम्मा, निहत्था <u>भरपेट</u> , भरसक, भरपूर अछूत, अचेत, अथाह, अजान, अकाज उनसठ, उनतीस, उन्नीस <u>कुचाल</u> , कुचैला, कुढंग, कुपुत्र दुबला, दुकाल, दुगुना |

(ग) उर्दू के उपसर्ग

| उपसर्ग | अर्थ | उदाहरण |
|---|--|--|
| कम बे बद ला खुश गैर हम हर दर ना बा सर ब | थोड़ा रहित बुरा अभाव (बिना) अच्छा भिन्न साथ, समान सभी में नहीं साथ मुख्य अनुसार, के साथ, में | <u>कमउम्र</u> , कमजोर, कमअक्ल बेईमान, बेचारा, बेवकूफ, बेइज्जत, बेखटके <u>बदनाम</u> , बदकिस्मत, बदहजमी, बददुआ, बदतमीज़ लाइलाज, लावारिस, लापरवाह, लापता, <u>लाजवाब</u> खुशबू, खुशखबरी, <u>खुशकिस्मत</u> गैर-सरकारी, गैर-ज़िम्मेदारी हमदम, हमसफर, हमजोली, हमराज़, हमराही हर एक, हर तरफ़, हर साल, हर रोज़ दरअसल, दरमियान नापसंद, <u>नासमझ</u> , नालायक, नाचीज़, नाउम्मीद <u>बाकायदा</u> , <u>बाइज्जत</u> <u>सरकार</u> , <u>सरहद</u> , <u>सरदार</u> <u>बनाम</u> , बदौलत |

| उपसर्ग | अर्थ | उदाहरण |
|--------|----------|---|
| अधः | नीचे | अधःपतन, अधोगति, अधोमुख |
| अंतर् | अंदर | अंतरात्मा, अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्राज्यीय |
| अलम् | पर्याप्त | अलंकार, अलंकृत |

| उपसर्ग | अर्थ | उदाहरण |
|--|--|---|
| बहिर् पुरस् पुनः पुरा कु तिरस् स सत् सह चिर इति न | बाहर आगे फिर प्राचीन बुरा बुरा सहित अच्छा साथ बहुत देर ऐसा अभाव | बहिर्मुख, बहिर्गमन पुरोहित, पुरस्कार पुनर्जन्म, पुनर्निर्माण, पुनरागमन पुरातन, पुरातत्व कुपुत्र, कुसमय तिरस्कार, तिरोभाव सहज, सहर्ष, सपरिवार, सश्रम सज्जन, सद्भाव, सदाचार, सत्पुरुष सहयोग, सहोदर, सहकारी, सहपाठी चिरस्थायी, चिरकाल, चिरायु इतिहास, इतिश्री नास्ति, नेति, नास्तिक |

(ड) अंग्रेज़ी के कुछ उपसर्ग भी हिंदी भाषा में प्रचलित हैं

| उपसर्ग | अर्थ |
|--|--|
| सब डिप्टी वाइस असिस्टेंट जनरल चीफ़ हाफ़ हैड | सब-इंस्पैक्टर, सब-जज डिप्टी-कलक्टर वाइस-चांसलर, वाइस-कैप्टिन असिस्टेंट कलक्टर, असिस्टेंट टीचर जनरल मैनेजर चीफ़ मिनिस्टर, चीफ़ सेक्रेटरी हाफ़ पैंट, हाफ़ शर्ट हैडमास्टर, हैडक्लर्क |